बिजोरी में दिखा गजराज, पहली फोटो सामने आई, छह दिन का रहस्य खत्म

छिन्दवाड़ा, देशबन्धु। आखिरकार छिंदवाड़ा के जंगलों का रहस्यमय मेहमान मान ही गया। छह दिनों से वीट, पदचिन्हों और अफवाहों के साये में घूम रहे विशालकाय जंगली हाथी ने रात भर की लंबी यात्रा कर तामिया विकासखंड के बिजोरी के घने वन में अपने दीदार करा ही दिए। सुबह-सुबह जब उसकी पहली तस्वीर और वीडियो सामने आया तो मानो पूरे वन विभाग और ग्रामीणों की थकी हुई आंखों को सुकून मिल गया।

लगता है जैसे कान्हा के हरे-भरे कैनवास से बिछड़ा यह एकाकी यात्री छिंदवाड़ा के सुदूर वनांचलों की सुंदरता को निहारने निकला है। सिवनी की सीमा लांघ, चौरई-अमरवाड़ा-परासिया के जंगलों को चूमता हुआ यह गजराज अब सतपुड़ा की गोद में बसे तामिया के बिजोरी तक पहुंच गया है। यह कोई हमला नहीं, यह प्रकृति का एक मौन संदेश है। पिछले 6 दिनों से वन विभाग की तीन टीमें, ड्रोन कैमरे और सैकड़ों ग्रामीण इस उम्मीद में जंगल की खाक छान रहे थे कि कहीं तो गजराज दिखे। ड्रोन भी जिसे नहीं देख पाया था, उसने आज स्वयं दर्शन देकर जैसे सबकी मेहनत पर तरस खा लिया। अब यह स्पष्ट हो गया है कि यह कोई कहानी नहीं बल्कि हमारे समृद्ध जैव-विविधता वाले जंगलों में एक नए अतिथि का आगमन है।

पर्यावरणीय दृष्टि से यह घटना बेहद महत्वपूर्ण है। यह हाथी हमें याद दिला रहा है कि कान्हा-पेंच-सतपुड़ा का प्राचीन एलिफेंट कॉरिडोर आज भी जीवित है। जंगल कहीं से भी कटे नहीं हैं, बल्कि एक-दूसरे से जुड़े हैं। यह विशालकाय जीव उसी हरित गलियारे के रास्ते अपना पुराना घर ढूंढ रहा है। वन विभाग के लिए अब चुनौती और भी बढ़ गई है। पूर्व वनमंडल डी.एफ.ओ. स्वरूप दीक्षित पहले ही अपील कर चुके हैं हीरो बनने की कोशिश न करें। यह समय उत्सव का नहीं, बल्कि संयम और सह-अस्तित्व का है। हाथी को न घेरें, न उकसाएं, न उसके करीब जाकर सेल्फी का प्रयास करें। उसे शांतिपूर्वक अपना रास्ता तय करने दें।

तामिया का बिजोरी वनक्षेत्र हाथी के लिए अनुकूल है, यहां पानी और भोजन प्रचुर मात्रा में है। वन विभाग को चाहिए कि उसे सुरक्षित रूप से वापस कान्हा-पेंच लैंडस्केप की ओर मोड़ा जाए, ताकि यह एकाकी सफर किसी मानव-वन्यजीव द्वंद्व में न बदल जाए। अनुभवी वनाधिकारी ने संभावना व्यक्त की है कि हाथी या तो बिजौरी से तामिया या फिर जुन्नारदेव की तरफ भी मुड सकता है, वैसे गजराज बिजौरी से ग्राम इटावा की और बढ़ रहा है।

पहली तस्वीर ने हमारी जिज्ञासा शांत जरूर की है, लेकिन एक बड़ा सवाल छोड़ गई है क्या हम अपने जंगलों को इतना सुरक्षित और जुड़ा हुआ रख पाएंगे कि भविष्य में ऐसे गजराज मेहमान नहीं, बल्कि स्थायी निवासी बनकर लौट सकें? बहरहाल वन विभाग लोगों को सतर्क कर रहा है और आम जनता को भी सर्तक रहना चाहिए।

घूमता आईना

बिछुआ नगर परिषद के पार्क सड़क और स्वागतद्वार बनाने में लाखों के घोटाले की शिकायत

छिन्दवाड़ा, देशबन्धु। जिले के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र माने जाने वाले विकासखण्ड मुख्यालय बिछुआ में स्थित नगर परिषद है जहां पर सड़क निर्माण, पार्क निर्माण और स्वागत द्वार बनाए जाने को लेकर लाखों रूपये के भ्रष्टाचार होने की शिकायत राजधानी भोपाल में की गई है।

बताया जाता है कि पाँच सालों में एक ही सड़क को दूसरी बार बना दी गई वह भी आधी अधूरी और जो बनी है उसमें गड्ढे है और उसमें निर्माण सामग्री घटिया दर्जे की लगाकर राशि का बंदरबांट किए जाने का आरोप है। खबर यह भी है कि बच्चों की मरघटी के नाम से विख्यात स्थान पर पार्क का निर्माण किया गया है जिसमें भी लाखों रूपये की हेराफेरी का अंदेशा है। क्षेत्र के एक सामाजिक कार्यकर्ता ने उच्च स्तरीय शिकायत कर तत्काल जांच की मांग की है साथ ही स्वागतद्वार के निर्माण में भी अनियमितता बरते जाने का आरोप लगाया गया है। आरोप है कि यदि नगरीय प्रशासन विभाग अथवा आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरों द्वारा इसकी जांच की जाऐं तो निश्चित तौर से लगभग 20 लाख रूपये से अधिक का घोटाला उजागर हो सकता है और इसमें लिप्त व्यक्तियों के खिलाफ सक्त कार्यवाही हो सकती है। हालाकि इस संबंध में जिला प्रशासन को भी पूर्व में शिकायत की गई थी लेकिन कोई कार्यवाही नहीं होने के कारण उसी सड़क को दूसरी बार बना दी गई आधी अधूरी जिसमें अभी भी गडढ़े होना प्रारंभ हो गए है। इस तरह सरकारी धन का दुरूपयोग की जांच की मांग उठी हैं।

सार-समाचार

आज स्व. देवकिसन राठी की प्रथम पुण्यतिथि पर परिजनों ने अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि दी

छिन्दवाड़ा, देशबन्धु। शहर छिन्दवाड़ा के वरिष्ठ नागरिक एवं सेवानिवृत्त कृषि अधिकारी स्व. देवकिसन राठी की प्रथम पुण्यतिथि है। इस अवसर पर पुत्र गोपालकृष्ण राठी और उनकी माताजी तथा धर्मपत्नी और दो नातिनों ने अपने प्रिय परिजन को गुजरे एक वर्ष हो गए याद करते हुए अश्रुपूर्ण श्रद्धांजली अर्पित की। स्व. देवकिसन राठी एक खुद्दार, ईमानदार थे। शासकीय सेवा में समय पूर्व कार्यालय में पहुंचकर अपने कर्तव्यों का निर्वाहन करना और परिजनों को साथ लेकर चलना इनकी खूबी थी। स्व. देवकिसन राठी की पुण्यतिथि पर आज देशबन्धु परिवार भी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें याद किया।

वर्षों पुरानी सड़क की समस्या का हुआ समाधान, भूमि दान से खुला निर्माण का रास्ता

पिपला नारायणवार, देशबन्धु। नगर परिषद पिपला नारायणवार के वार्ड क्रमांक 14 एवं 15 में वर्षों से चली आ रही सड़क की समस्या का अब समाधान हो गया है। सड़क निर्माण के लिए निजी भूमि उपलब्ध नहीं होने के कारण लंबे समय से अटका निर्माण कार्य अब भूमि स्वामी की सहमति और प्रशासनिक पहल से आगे बढ़ने का रास्ता साफ हो गया है।

वार्डवासियों ने सड़क निर्माण की मांग को लेकर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सौसर को ज्ञापन सौंपकर समस्या से अवगत कराया था। मामले को गंभीरता से लेते हुए एस.डी.एम. सिद्धार्थ पटेल ने स्थल निरीक्षण कर वार्डवासियों से चर्चा की और संबंधित भूमि स्वामी को भी अपना पक्ष रखने के लिए बुलाया।

प्रशासन की समझाइश और जनहित को देखते हुए भूमि स्वामी सुमन पिता लक्ष्मण नाईक ने सड़क निर्माण के लिए भूमि नगर परिषद पिपला नारायणवार को रजिस्टर्ड दान पत्र के माध्यम से देने पर सहमति जताई। पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग, मध्यप्रदेश के दस्तावेज के अनुसार खसरा नंबर 247/1/2/1 की 758.50 वर्गफीट 0.0070 हेक्टेयर भूमि बिना किसी प्रतिफल के सार्वजनिक उपयोग के लिए नगर परिषद को दान की गई है।

दान दस्तावेज में उक्त भूमि पर 10 फीट चौड़ी सीमेंट-कांक्रीट सड़क के निर्माण एवं आमजन के आवागमन के लिए उपयोग का उल्लेख किया गया है। भूमि दान की प्रक्रिया पूरी होने से अब वर्षों से सड़क निर्माण का इंतजार कर रहे वार्ड क्रमांक 14 एवं 15 के रहवासियों को बड़ी राहत मिली है।

सीएमओ डॉ. प्रसाद साहू ने बताया कि वार्ड क्रमांक 14 एवं 15 में सड़क निर्माण को लेकर लंबे समय से समस्या बनी हुई थी। भूमि स्वामी द्वारा जनहित में भूमि दान किए जाने से अब सड़क निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। नगर परिषद द्वारा नियमानुसार आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर जल्द ही सड़क निर्माण कार्य कराया जाएगा, जिससे वार्डवासियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। प्रकरण के निराकरण के बाद वार्डवासियों में खुशी का माहौल है। रहवासियों ने प्रशासन, नगर परिषद एवं भूमि स्वामी का आभार व्यक्त करते हुए जल्द सड़क निर्माण शुरू होने की उम्मीद जताई है।

8 माह की गर्भवती पत्नी से पति ने की मारपीट, जच्चा-बच्चा दोनों की मौत

छिन्दवाड़ा, देशबन्धु। कुंडीपुरा थाना अंतर्गत पातालेश्वर में एक झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक निर्दयी पति ने अपनी 8 माह की गर्भवती पत्नी से इतनी मारपीट की जिससे जच्चा-बच्चा दोनों की मौत हो गई। फिलहाल पुलिस ने आरोपी पति को हिरासत में ले लिया है।

इस संबंध में कुंडीपुरा थाना प्रभारी महेंद्र भगत ने बताया कि मृतिका सोनिया पति निहाल करोसिया उम्र 19 साल ने एक साल पहले निहाल के साथ प्रेम विवाह किया था, जिसके बाद से ही दोनों के बीच वाद-विवाद होते रहते थे। मंगलवार देर रात निहाल ने उसके साथ किसी बात को लेकर मारपीट की जिसके कारण वह बदहवास हो गई। जब उसे जिला अस्पताल में भर्ती किया गया तो उसकी मौत हो गई। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। स्थानीय लोगों की माने तो निहाल अक्सर अपनी पत्नी से मारपीट करता था। मोहल्ले पड़ोस के लोगों को उन्हें समझाइश देने जाना पड़ता था। हालाकि दोनों के बीच मामूली विवाद ने घर को बर्बाद कर दिया।

सिवनी की रहने वाली थी सोनिया-इस मामले में पुलिस ने बताया कि मृतिका सोनिया करोसिया सिवनी की रहने वाली थी। एक साल पहले उसके प्रेम संबध निहाल के साथ शुरू हुए, जिसके बाद दोनों ने अपनी मर्जी से शादी कर ली। लेकिन शादी के कुछ महीने बाद से ही दोनों के बीच मामूली से मामूली बातों को लेकर झगड़े शुरू हो गए। आखिर में मंगलवार रात दोनों के प्रेम कहानी एक की मौत के बाद खत्म हुई।

लीवर फटने से सोनिया की मौत-पुलिस के मुताबिक निहाल ने अपनी पत्नी से इस कदर मारपीट की थी कि उसका लीवर ही फट गया था। जबकि जिला अस्पताल के डॉक्टरों का कहना है कि सोनिया का लीवर फटने के कारण उसकी हालत बहुत नाजुक हो गई थी। ऐसे में देर रात तक इलाज चलने के बाद सोनिया। के पेट में पल रहे बच्चे और उसकी मां ने दम तोड़ दिया।

बहरहाल पुलिस मामलें की जांच कर रही है और सोनिया के माता पिता आने वाले समय में अपना क्या पक्ष रखते है यह तो समय ही बताएगा लेकिन इस तरह पति ने दरिंदगी की उससे दिल दहल गया है।

घर के सामने खड़ी टवेरा में लगी भीषण आग, कार जलकर खाक

छिन्दवाड़ा, देशबन्धु। जिले के आदिवासी बाहुल्यक्षेत्र तामिया थाना क्षेत्र के छिंदी में बुधवार रात करीब 1 बजे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के पास घर के सामने खड़ी एक सफेद रंग की टवेरा गाड़ी में अचानक भीषण आग लग गई, घटना की सूचना डायल- 112 पर मिलने के बाद पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। डायल-112 के पायलट मोंटू मितेश डेहरिया तथा प्रधान आरक्षक आकाश मालवीय घटनास्थल पर पहुंचे बताया जा रहा है कि आग इतनी भीषण थी कि देखते ही देखते पूरी टवेरा जलकर खाक हो गई। घटना के बाद आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार गाड़ी में आग लगने के पीछे असामाजिक तत्वों का हाथ होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि आग किन परिस्थितियों में लगी और इसके पीछे

वास्तविक कारण क्या है, इसका खुलासा पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगा। घटना के बाद आसपास रहने वाले लोगों में दहशत का माहौल है पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा घटनास्थल के आसपास की जानकारी जुटाने के साथ ही घटना के संबंध में लोगों से पूछताछ की जा रही है। फिलहाल पुलिस आगजनी के कारणों और घटना में शामिल लोगों का पता लगाने में जुटी हुई है साथ ही लोगों ने मांग की है कि छिंदी के आसपास कुछ दिनों से असामाजिक तत्व देखे जा रहे है ऐसी स्थिति में पुलिस को इन ईलाको में समय समय पर रात्रि गश्त करने की मांग की।

भगवान बलराम की जयंती हलषष्ठी पर कृषि संगोष्ठी का हुआ आयोजन

छिन्दवाड़ा, देशबन्धु। कलेक्टर हरेन्द्र नारायन के मार्गदर्शन में बलराम जयंती के उपलक्ष्य में कल 2 सितंबर 2026 को उमरेठ तहसील के छावड़ी कला में कृषि एवं आत्मा परियोजना द्वार आधुनिक यंत्रीकरण एवं प्राकृतिक कृषि पर कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

कृषक संगोष्ठी का शुभारंभ भगवान बलराम की प्रतिमा का पूजन किया जाकर शुभारंभ किया गया। अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधि द्वारा उन्नत कृषि यंत्र का पूजन किया जाकर सभी कृषकों को बलराम जयंती एवं उन्नत खेती एवं भरपूर उत्पादन की शुभकामनाएं दी गई। बलराम जयंती पर अतिथियों द्वारा अपनी बात रखी जाकर कृषकों को उन्नत कृषि की जानकारी दी गई।

इस अवसर पर उपसंचालक कृषि मोरिस नाथ द्वारा कृषकों से अपील की गई कि आप आधुनिक खेती करें किंतु सभी उन्नशील कृषक मिलकर कम से कम आधा एकड़ खेत में रसायन मुक्त प्राकृतिक खेती अवश्य करें।

परियोजना संचालक आत्मा धीरज सिंह ठाकुर द्वारा कृषकों को वर्तमान समय की आवश्यकता अनुसार रसायन मुक्त खेती को बढ़ाने हेतु कृषकों से अपील की गई एवं सभी किसानों से आवश्यक का अनुसार ही उर्वरक एवं रसायनों का प्रयोग किए जाने हेतु सुझाव दिया गया।

कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डी.सी. श्रीवास्तव द्वारा किसानों को जिले में ही आलू एवं स्वीट कार्न के उत्पादन के साथ ही अब प्रसंस्करण पर आगे बढ़ाने की सलाह दी गई। जिससे युवाओं को रोजगार प्राप्त हो सके। किसान संघ के प्रदेश मंत्री मेर सिंह चौधरी ने बहुत विस्तार से भगवान बलराम के पूज्यनीय होने का के साथ ही विश्व के प्रथम कृषक बताया। कृषि एवं पशुपालन में किए गए कार्यो के लिए भगवान बलराम को पूरा कृषि परिवार उनकी पूजा करता है। उनके आशीर्वाद से आज भारत में कृषि एवं पशुधन दोनों में भारत अग्रणी देश है और इनके अथक प्रयास से भारत के नागरिकों को शुद्ध भोजन उपलब्ध हो पा रहा है।

किसान संघ के जिला अध्यक्ष राम राव लड़े के द्वारा बताया गया कि जिस प्रकार भगवान बलराम ने अपने परिश्रम से उन्नत खेती कर समृद्धि हासिल की उन्हीं के प्रेरणा से हमारे देश का किसान भी अपने उत्पादन को देश विदेश तक निर्यात कर विदेशी मुद्रा भी कमा रहा है।

आयोजन में उपसंचालक कृषि मोरिस नाथ, कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर डी.सी. श्रीवास्तव, परियोजना संचालक आत्मा धीरज ठाकुर, किसान संघ के प्रदेश मंत्री मेरसिंग चौधरी, कृषि अभियांत्रिकी की इंजीनियर अश्विनी सिंह, एस. डी.ओ. प्रमोद सिंग उट्टी, नीलकंठ पटवारी, श्रीमति प्राची कौतु, दीपक चौरसिया, जनपद सदस्य सुश्री रोशनी मर्सकोले, सरपंच रामकृष्ण बट्टी, उपसरपंच गजानंद पवार, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी एस.पी. डेहरिया, रमेश पवार, बी.टी. एम. अमित बघेल, प्रगतिशील किसान विष्णु पवार, गुरु प्रसाद पवार, जयपाल पवार, रामकृष्ण पवार, गुरुदयाल माहोरे, वीरन यादव सहित कृषि विभाग का समस्त मैदानी अमला और बड़ी संख्या में महिला और पुरुष किसान उपस्थित रहे। बता दें कि किसान हमेशा पृथक पृथक स्थानों पर भगवान बलराम की जयंती मनाता है और इस कार्यक्रम में कृषि विभाग, आत्मा परियोजना और जे.एन.के.वि.वि. चंदनगांव के वैज्ञानिकगण उपस्थित रहते है।

खेल दिवस स्पर्धा में खिलाड़ी हुए पुरस्कृत, खेल को प्रमोट करने वाले पालकों का भी हुआ सम्मान

छिन्दवाड़ा, देशबन्धु। राष्ट्रीय खेल दिवस एवं हॉकी के महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर जिला बैडमिंटन संघ द्वारा 29 अगस्त से ओलम्पिक संघ के बैडमिंटन हॉल में आयोजित विशेष बैडमिंटन मुकाबलों का 1 सितंबर को पुरस्कार वितरण एवं सम्मान समारोह के साथ समापन हुआ।

आयोजन में महिला सिंगल्स, मिक्स्ड डबल्स, लकी डबल्स एवं वेटरन-50 डबल्स में के मुकाबले खेले गए, जिसमें खिलाड़ियों के साथ गृहणियों एवं वरिष्ठ खिलाड़ियों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया।

समापन अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जहान्वी विश्वकर्मा, मन्नत, हर्षुल, राहुल, प्रिंस, शिवाश, अर्क, अंश, सुनीता, भावना, अश्वंत, तनिष्का विश्वकर्मा, वैभव एवं लक्ष्मी को सम्मानित किया गया। साथ ही वयोवृद्ध खिलाड़ियों का विशेष सम्मान कर नई पीढ़ी को उनके अनुभव, अनुशासन एवं खेल के प्रति समर्पण से प्रेरणा लेने का संदेश दिया गया।

समापन अवसर पर विशेष रूप से विंग कमांडर डी.एस. तोमर, संघ के मुख्य संरक्षक इंद्रजीत सिंह बैस, दीपक राज जैन, जिला बैडमिंटन संघ के कोच व सचिव जावेद खान, राकेश चौरसिया, तरुण विश्वकर्मा, अमित सोनी एवं अस्फाक खान का विशेष सहयोग रहा।

मैचों के संचालन में रितिका जैन, तनिष्का विश्वकर्मा, योगेश चंद्रवंशी, अश्वंत मार्को, वैभव वाडीवा, पार्थ चौकसे, भविष्य सूर्यवंशी एवं अथर्व गुप्ता ने ऑफिशियल्स के रूप में जिम्मेदारी निभाई। आयोजन को सफल बनाने में संघ की

महिला सदस्यों श्रीमती श्वेता घई, श्रीमती माही खंडेलवाल, श्रीमती उमा सोनी, श्रीमती कंचन विश्वकर्मा, श्रीमती मनसी डोडानी, शिखा राजपूत, शिल्पा हेडाऊ एवं श्रीमती पुष्पा नागोत्रा का सहयोग रहा।

आयोजन के माध्यम से हर उम्र में खेल की भावना को प्रोत्साहित करते हुए खिलाड़ियों, गृहणियों एवं वरिष्ठ खिलाड़ियों को खेलों से जोड़ने का सकारात्मक संदेश दिया गया। कार्यक्रम का संचालन जावेद खान ने किया तथा आभार प्रदर्शन दीपक राज जैन ने किया